

तुझे गुरु कितना समझाए,
पर तेरी समझ न आए,
गुरु बार बार समझाए,
तेरी दो दिन की यह जिंदगी,
बातों में बीती जाए,
तुझे गुरु कितना समझाये,
पर तेरी समझ न आए ॥

तर्ज हाय हाय ये मजबूरी ।

एक गुरु के सिवा जगत में,
कोई नहीं है अपना,
सँतो ने भी यही कहा है,
भजन बिना जग सपना,
जग सपना, जग सपना,
फिर क्यों जग में उलझ के बन्दे,
जीवन नरक बनाए,
तेरी दो दिन की यह जिंदगी,
बातों में बीती जाए,
तुझे गुरु कितना समझाये,
पर तेरी समझ न आए ॥

सच्चा साथी सिवा गुरु के,
कोई नजर न आए,
मात पिता और कटुम्ब कबीला,

सँग न तेरे जाए,
न जाए, न जाए,
क्यो न हरि को भज के बन्दे,
जीवन सफल बनाए,
तेरी दो दिन की यह जिँदगी,
बातो में बीती जाए,
तुझे गुरु कितना समझाये,
पर तेरी समझ न आए ॥

ज्यो मकड़ी खुद जाल मे फँस कर,
अपने प्राण गँवाए,
ऐसे ही यह मानव जग मे,
अपना समय गँवाए,
गँवाए, हाँ गँवाए,
खुद ही उलझा है जग मे तू,
कोई नही उलझाए,
तेरी दो दिन की यह जिँदगी,
बातो में बीती जाए,
तुझे गुरु कितना समझाये,
पर तेरी समझ न आए ॥

तुझे गुरु कितना समझाए,
पर तेरी समझ न आए,
गुरु बार बार समझाए,
तेरी दो दिन की यह जिँदगी,
बातो में बीती जाए,
तुझे गुरु कितना समझाये,
पर तेरी समझ न आए ॥

– भजन लेखक एवं प्रेषक –
श्री शिवनारायण वर्मा,
मोबा.न.8818932923

वीडियो अभी उपलब्ध नहीं।

Source: <https://www.bharattemples.com/tujhe-guru-kitna-samjhaye/>



Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw>